केंद्रीय हिंदी निदेशालय नई दिल्ली

एवं

श्रीकृष्ण शिक्षण संस्था, गुंजोटी संचलित

श्रीकृष्ण महाविद्यालय, गुंजोटी, ता.उमरगा

हिंदी विभाग

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

दि.२६,२७,२८ मार्च २०२४

"स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में अस्मिता मूलक विमर्श"

सत्यमेव जयते

मा.प्रधानाचार्य/हिंदी विभागाध्यक्ष

सादर प्रणाम,

आपको ज्ञात करते हुए हर्ष होता है की केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली एवं श्रीकृष्ण महाविद्यालय, गुंजोटी, ता.उमरगा, जि.उस्मानाबाद के संयुक्त तत्वावधान में, "स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में अस्मितामूलक विमर्श" इस विषय पर त्रिदिवशीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दि.२६,२७,२८ मार्च २०२४ को किया जा रहा है | संगोष्ठी की कार्यक्रम पत्रिका समारोह पूर्व प्रेषित की जाएगी| अत: संगोष्ठी के सफलतापूर्वक आयोजन में आप सभी विद्वत जनों की उपस्थिती प्रार्थनिय है|

यह वर्ष ऐतिहासिक दृष्टी से महत्व रखता है | भारतीय आजादी एवं संविधान का अमृत महोत्सवी वर्ष मनाया जा रहा है | भारतीय संविधान ने इस देश की वंचित जनता को हक्क और अधिकार दिए जिसके फलस्वरुप सदियों से वंचित समुदाय में जागृती आयी और उनकी अस्मिता जागृत हुई और परिणाम स्वरुप अस्मिताओं से प्रेरित विविध आत्मों का साहित्य सृजन हुआ | इसी पर संगोष्ठी के माध्यम से विचार मंथन करने के लिए इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया है| अत: आप सभी हिंदी प्रेमी विद्वत जनों को नम्र निवेदन है की, आप इस संगोष्ठी में संमेलित होकर संगोष्ठी को सफल बनाए | इस संगोष्ठी के शोधालेख लेखन एवं चर्चा के विषय निम्नलिखीत है |

१. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में दलित अस्मिता मूलक विमर्श
२. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में नारी अस्मिता मूलक विमर्श
३. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में आदिवासी अस्मिता मूलक विमर्श
४. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में किन्नर अस्मिता मूलक विमर्श
५. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में किसान अस्मिता मूलक विमर्श
६. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में घुमंतू अस्मिता मूलक विमर्श
७. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में वृद्ध अस्मिता मूलक विमर्श

- शोधालेख की शर्तें

१. शोधालेख पूर्णत: मौलिक एवं अप्रकाशित होना चाहिए|
२. वाङ्मय चौर्य (Plagiarism) संहिता का पालन हो |
३. शोधालेख की शब्द मर्यादा १००० से १५०० तक हो |
४. शोधालेख कृतिदेव १० (Krutidev १०) में हो |
५. शोधालेख - hindirashtriysangoshthi२०२४@gmail.com इस मेल पर भेज दिजिएं|
६. आपका शोधालेख २२ मार्च २०२४ तक भेजने होंगे|

सभी शोधालेख का ISBN किताब संगोष्ठी के बाद में प्रकाशित किया जाएगा| आप अपना पंजीकरण ऑनलाईन गुगल फॉर्म - https://forms.gle/rwsgbD6L9xA63CEB6 से किजिए| आप अपने शोधालेख Email- hindirashtriysangoshthi2024@gmail.com पर २२ मार्च २०२४ तक भेज सकते है |

पंजीकरण एवं आलेख प्रकाशन के बारे में संपर्क: ९४२३३४१७२६/९४२२५५८९१६

संयोजन समिती

डॉ.नूतन पाण्डेय
राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रभारी ७३०३११२६०७

डॉ.दिलीप कुलकर्णी
प्रधानाचार्य/अध्यक्ष- ९४२१४८६३८४

डॉ.बालाजी कोनाळे
संयोजक ९४२३३४१७२६

डॉ.महादेव खोत
संयोजन सचिव ९४२२५५८९१६